भाकृअनुप-सीफेट उद्योग इंटरफेस मीट और कृषि प्रसंस्करण एवं खाद्य प्रसंस्करण मेला 2024 का उद्घाटन किया गया

लुधियाना, 3 अक्टूबर 2024 - भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय कटाई-उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीफेट) को इसके 36वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कृषि प्रसंस्करण एवं खाद्य प्रसंस्करण मेले पर सीफेट-आईफा 2024 - उद्योग इंटरफेस मेले के सफल उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम 3 अक्टूबर, 2024 को हुआ और इसमें डॉ. सुखपाल सिंह, चेयरमैन, पंजाब राज्य किसान आयोग, मुख्य अतिथि; डॉ. एसएन झा , उप महानिदेशक (कृषि इंजीनियरिंग) आईसीएआर, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. नवाब अली, पूर्व उप महानिदेशक (कृषि अभियांत्रिकी) आईसीएआर, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ के नरसैया, एडीजी (कृषि अभियांत्रिकी), आईसीएआर; डॉ एचएस जाट, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएमआर; श्री बलविंदर सिंह, सर्किल हेड, एक्सिस बैंक भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। डॉ रणजीत सिंह, प्रभागाध्यक्ष, टीओटी प्रभाग एवं कार्यक्रम के संयोजक ने कार्यक्रम में सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

डॉ. सुखपाल सिंह ने कृषि और कटाई के बाद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में पंजाब सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला और कहा कि पंजाब को चार क्षेत्रों में विभाजित किया है, जिनमें से प्रत्येक क्षेत्र-विशिष्ट कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने और वैश्विक बाजार में स्थान देने पर केंद्रित है। डॉ. एसएन झा ने गांव स्तर पर मशीनीकरण और कटाई के बाद की तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कृषि इंजीनियरिंग निदेशालय की स्थापना की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक ग्राम आर्थिक क्षेत्र की अवधारणा पेश की, जो कृषि क्षेत्र के सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए कृषि उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन को एकीकृत करता है। डॉ. नवाब अली ने किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने में फसल-उपरान्त क्षेत्र की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया तथा उत्पादन क्षेत्रों में कृषि-प्रसंस्करण केन्द्रों के निर्माण के लिए सिफारिश की, ताकि किसानों को अधिक लाभ प्राप्त करने में सहायता मिल सके। डॉ. के. नरसैया ने फसल कटाई के बाद के क्षेत्र में, विशेष रूप से रोजगार के माध्यम से महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने में उद्यमशीलता के विशाल अवसरों को रेखांकित किया। डॉ. एचएस जाट ने इस बात पर जोर दिया कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रसंस्करण महत्वपूर्ण है तथा उन्होंने सभी आईसीएआर कमोडिटी-आधारित संस्थानों से समर्पित फसल-उपरान्त प्रौद्योगिकी विभाग स्थापित करने का आह्वान किया। श्री बलविंदर सिंह

ने उद्यमियों और किसानों को बढ़ावा देने के लिए एक्सिस बैंक द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों पर प्रकाश डाला।

सीफेट -आईफा एवं खाद्य प्रसंस्करण मेला 2024 कार्यक्रम कृषि प्रसंस्करण और कृषक समुदायों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। भाकृअनुप-सीफेट, फसल कटाई के बाद की प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं विकास में एक अग्रणी संस्थान है, जिसने सतत कृषि पद्धतियों और कृषि प्रसंस्करण में नवाचार को लगातार समर्थन किया है।

यह उल्लेखनीय आयोजन हमारे प्रतिष्ठित संस्थान में 5 अक्टूबर, 2024 तक चलेगा, जिसमें कृषि और कृषि प्रसंस्करण क्षेत्रों के दिग्गज और हितधारक एक साथ आएंगे। सीफेट-आईफा 2024 के मुख्य आकर्षण में विभिन्न गतिविधियाँ जैसे कि किसान मेला, उद्योग इंटरफेस बैठक जो खाद्य प्रसंस्करण और फाइबर प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, ज्ञान साझाकरण, नेटवर्किंग अवसरों और व्यापार संभावनाओं की खोज शामिल है। इस आयोजन की एक अन्य उल्लेखनीय विशेषता टेक्नो-फूड हैकाथॉन संस्करण 1.0 है, जहां छात्र स्टार्ट-अप को अपने विचार प्रस्तुत करने, विशेषज्ञों से जुड़ने और निवेशकों के सामने प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान किया जाता है।

पीएयू और एआईसीआरपी जैसे कई प्राथमिक संस्थानों ने विभिन्न क्षेत्रों के किसानों और उद्यमियों के साथ मिलकर पीएचईटी केंद्रों पर कई तरह की तकनीकों का प्रदर्शन किया। इन तकनीकों में कटाई के बाद की तकनीकें और मूल्य संवर्धन तकनीकें शामिल थीं और इन्हें 100 से ज़्यादा स्टॉल पर प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा, आगंतुकों को ग्लूटेन-मुक्त बेकरी आइटम, एक्सट्रूडेड स्नैक्स और बाजरा, हस्तशिल्प आदि पर आधारित नवीन उत्पादों सहित विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों को पता लगाने और खरीदने का अवसर मिला। इस मेले के आयोजन में कॉफ़ेम, ग्रैंड थॉर्टन, एक्सिस बैंक, वेरका, इन्वेस्ट पंजाब, स्टार्ट अप पंजाब, पीएससीएसटी सक्रिय भागीदार हैं ।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान ने 10 और 25 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके समर्पित सेवा सदस्यों को भी सम्मानित किया। इसके अलावा, इस अवसर पर पाँच प्रकाशनों का विमोचन किया गया। इसके अलावा, "तेल निष्कासन" और "पशु चारा संयंत्र" से संबंधित प्रौद्योगिकियों के ऊष्मायन के लिए तीन उद्यमियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए।

आईसीएआर- सीफेट के निदेशक डॉ. नचिकेत कोटवालीवाले ने इस आयोजन के बारे में अपनी बात साझा करते हुए कहा, "सीफेट-आईफा 2024 हमारे कृषक समुदाय को सशक्त बनाने और उन्होंने किसानों, उद्यमियों और विभिन्न हितधारकों को फसल कटाई के बाद की इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संस्थान की यथासंभव सभी प्रकार सहायता करने का

वादा किया। । डॉ. संदीप मान, प्रभागाध्यक्ष, एएस एंड ईसी प्रभाग के प्रमुख ने सभी आगंतुकों और विशेषज्ञों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया और मीडिया सहित सभी हितधारकों को कृषि और कृषि प्रसंस्करण के लिए एक स्थायी भविष्य बनाने के लिए एक साथ आने के लिए आमंत्रित किया।

PRESENTING SPONSOR
AXIS BANK
AXIS BANK
भा.कृ.अन.प- सीफेट
PRESENTING SPONSOR
AXIS BANK
OTHER SPONSORS
IFFCO

ICAR-CIPHET
WIND MILL
SOLAR PANELS
TFH 02
AGROBOT-A
MULTIPURPOSE ROBOT

AGROBOT-A Multipurpose Robot
Introduction
Technical details
Technical details
Low Cost Value Added
Agro Bot
TFH 05